

## छत्तीसगढ़ को मलेरिया के मामलों में कमी के लिये केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कथि सम्मानति

### चर्चा में क्यों?

25 अप्रैल, 2022 को विश्व मलेरिया दविस पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडावधिया ने नई दल्लि में छत्तीसगढ़ को मलेरिया के मामलों में गरिवट के लयि सम्मानति कयि।

### परमुख बदि

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वधिया की संचालक डॉ. परयिका शुक्ला और संचालक, महामारी नयितरण डॉ. सुभाष मशिरा ने नई दल्लि में राज्य शासन की तरफ से यह सम्मान ग्रहण कयि।
- मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभयान और मलेरिया मुक्त बस्तर अभयान के असर से एपीआई दर (**Annual Parasite Incidence**, यानी प्रतिएक हज़ार की आबादी में सालाना मलिनने वाले मलेरिया के मरीज़ों की संख्या) में बड़ी गरिवट दर्ज की गई है। वर्ष 2018 में जहाँ प्रदेश की एपीआई, 2.63 थी, वही 2021 में घटकर 0.92 पर पहुँच गई है।
- गौरतलब है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वधिया तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन, छत्तीसगढ़ द्वारा जनवरी-फरवरी 2020 में बस्तर संभाग के सातों आकांक्षी ज़िलों में 'मलेरिया मुक्त बस्तर अभयान' का पहला चरण संचालति कयि गया था।
- घर-घर जाकर पहले चरण में 14 लाख छह हज़ार, दूसरे चरण में 23 लाख 75 हज़ार, तीसरे चरण में 15 लाख 70 हज़ार, चौथे चरण में 19 लाख 98 हज़ार एवं पाँचवे चरण में 14 लाख 36 हज़ार लोगों की मलेरिया जाँच की गई। वर्ष 2016 में 26.78 एपीआई वाले बस्तर संभाग की एपीआई 2021 में घटकर 7.07 पर पहुँच गई है।
- बस्तर संभाग में अभयान के अच्छे असर को देखते हुए 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभयान' के तहत इसे प्रदेश के कुल 21 ज़िलों में वसितारति कयि गया है। अभयान के पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे एवं पाँचवे चरण में मलेरिया पॉजिटिविटी दर क्रमशः 4.6 प्रतशित, 1.27 प्रतशित, 1.03 प्रतशित, 0.56 और 0.79 प्रतशित दर्ज की गई है। अभयान के प्रभाव से मलेरिया के मामलों में लगातार कमी आ रही है।